राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल

सम्पर्क सरिता

वर्ष– 15, अंक– 03, मई– जुलाई 2014

शिक्षा में रिसर्च एवं इनोवेशन समय की मांग : श्रीमती स्मृति इरानी

देश में तकनीकी शिक्षा का तेजी से प्रसार हुआ है लेकिन गुणवत्ता में कमी आई है। हमें वैश्विक शिक्षा एवं अर्थव्यवस्था को देखते हुए इनोवेशन एवं रिसर्च को बढ़ावा देना है। छात्राओं को विज्ञान एवं गणित विषयों की तरफ आकर्षित किया जायेगा एवं उन्हें शोध के क्षेत्र में आगे आने के लिए विशेष सुविधाएँ एवं स्कालरशिप प्रदान की जायेगी। "हार्वर्ड आये आपके द्वार" जैसी सुविधा देश में प्रदान करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के व्याख्यान हमारे विद्यार्थियों के लिए सुलभ किये जायेंगे। आज मानव संसाधन विकास मंत्रालय की पूरी टीम देश में शिक्षा की गुणवत्ता व विद्यार्थियों के हित के लिए दिन–रात काम रही है। उक्त विचार श्रीमती स्मृति इरानी, केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री ने 27 जून 2014 को निटर, भोपाल में गोल्डेन जुबली कन्वेंशन सेन्टर के शिलान्यास व अमृता विश्वविद्यालय व आई.आई.टी. मुंबई के सहयोग से स्थापित टीचर–ट्रेनिंग आईसीटी हब के लोकार्पण अवसर पर कहीं। उन्होंने मानव संसाधन विकास मंत्रालय की भावी योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि भविष्य में शोधार्थियों के लिए ई–लाइब्रेरी व ओपन सोर्स लाइब्रेरी की सुविधा निशुल्क प्रदान की जायेगी। उन्होंने निटर, भोपाल की स्थापना के गोल्डेन जुबली वर्ष को ऐतिहासिक बताते हुए सभी कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि देश के सामने बड़ी चुनौतियां हैं फिर भी देश ने स्पेस रिसर्च, मिसाईल टेक्नोलॉजी

सम्बोधित करतीं श्रीमती स्मृति इरानी

व सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल की है। उन्होंने तकनीकी शिक्षा के विकास के लिये शिक्षण विधियों एवं समय की मांग के अनुसार कैरिकुलम के महत्त्व पर बल दिया जिससे देश में तकनीकी रूप से दक्ष मानव संसाधन की फौज तैयार हो सके। तकनीकी रूप से दक्ष मानव संसाधन किसी भी राष्ट्र को समृद्धि की ओर ले जा सकते हैं। वर्तमान समय की मांग है कि हमें अंतर्विषयी कार्यक्रमों को प्रारंभ करना होगा।

संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि निटर, भोपाल अपने स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रवेश करते हुए तकनीकी शिक्षा में गुणवत्ता के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता, राज्य मंत्री, श्री दीपक जोशी, केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव सुश्री अमिता शर्मा, सासंद श्री आलोक संजर, आई आई टी मुंबई के प्रो. कन्नन मौदगल्य, अमृता विश्वविद्यालय के श्री कमल बिजलानी सहित भोपाल के केन्द्रीय कार्यालयों के प्रमुख, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनिता लाला ने किया।

कन्वेंशन सेंटर का शिलान्यास करतीं श्रीमती स्मृति इरानी

जल संवर्धन के लिये आगे आयें युवा : श्री रामनरेश यादव

मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री रामनरेश यादव ने समाज में हो रहे चारित्रिक ह्रास पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि युवाओं को आगे ले जाने के लिये उनके अंदर विश्वास एवं चारित्रिक मूल्यों की स्थापना जरूरी है। वे 04 जुलाई 2014 को राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार के सहयोग से आयोजित "जलशाला" के उद्घाटन अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे।

सम्बोधित करते श्री रामनरेश यादव

उन्होंने कहा कि पर्यावरण में हो रहे लगातार ह्रास के कारण जल एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण एवं चिंतनीय विषय हो गया है। इस कार्यशाला में मनन एवं चिंतन के आधार पर राष्ट्रीय नीतियों पर भी असर पड़ेगा। अनुशासन एवं चरित्र के कारण लालबहादुर शास्त्री एवं डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम आज हमारे आदर्श हैं। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विषयों में समाजिक महत्त्व को देखते हुए शोधार्थियों को रिसर्च में विशेष सुविधा देने की बात कही। युवा वर्ग राष्ट्र से उच्च अपेक्षाएँ और आकांक्षाएँ रखता है। हमारी प्राथमिकताओं को हमारी सामाजिक आर्थिक वास्तविकताओं के द्वारा अनुकूल बनाया जाना चाहिए। लोग समझने लगे हैं कि सामाजिक चुनौतियों का समाधान प्रस्तुत करने में विज्ञान की अकूत क्षमता है। मैं आप सभी को एक अच्छे भविष्य "सभी के लिए जल" व वैज्ञानिक ज्ञान की अनवरत वृद्धि और इसके अनुप्रयोग की एक समृद्ध यात्रा के लिये शुभकामनाएं देता हूं। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने अपने अध्यक्षीय भाषण में पंच तत्व जैसे अग्नि, जल, वायु, पृथ्वी, आकाश में संतुलन की बात कही। वर्तमान में गंगा–यमुना की भयावह स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि जल संसाधन व संवर्धन कार्यों में सरकारी नीतियों एवं यूनेस्को के कार्यों के साथ साथ जनजागरण ज्यादा जरूरी है। उन्होंने इस दिशा में एनएसएस द्वारा दिये गये योगदान को महत्त्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. जी.एस. रूनवाल, टी.ए.सी, (जलसूत्र), नई दिल्ली ने अपने व्याख्यान में कहा कि आम आदमी को जल संचय विषय पर जागरूक करना आवश्यक है। उन्होंने कहा की इस दिशा में छोटी शुरूआत से भी बड़े परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। इस विषय पर राजनैतिक एकमतता भी जरूरी है। उन्होंने वर्तमान में देश में पर–केपिटा जल वितरण एक समान न होने पर चिंता व्यक्त की। बढ़ती जनसंख्या से पानी की खपत बढेगी एवं थर्मल ऊर्जा के स्रोत बढेगें जिससे वातावरण तापमान एवं जल संवर्धन प्रभावित होगा। डी.एस.टी, नई दिल्ली के डॉ. पमपोश कुमार ने अपने व्याख्यान में कहा कि पानी और स्वच्छता हमारे समग्र विकास के लिए महत्त्वपूर्ण हैं। गत वर्ष हुए उत्तराखंड आपदा के बाद इस विषय पर राष्ट्रीय स्तर पर योजनाएं प्रारंभ हुई हैं एवं जल संवर्धन विषय पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने इस दिशा में कार्यरत जल परिषद के कार्यो का उल्लेख किया।

इस कार्यशाला में उपस्थित वाटर ट्रेनर्स ने प्रतिभागियों के साथ अपने अनुभव साझा किये व उन्हें इस दिशा में कार्य करने हेतु

सम्बोधित करते पदमश्री अफरोज अहमद

दिशा निर्देश दिये। इस कार्यशाला में राष्ट्रीय सेवा योजना के लगभग 100 स्वयं सेवक तथा 200 छात्र/छात्राओं सहित शहर के गणमान्य नागरिक, शोधार्थी एवं संस्थान के अधिकारीगण/कर्मचारीगण ने भी भाग लिया। इस कार्यशाला में अधिष्ठाता, प्रशासन डॉ. राजेश दीक्षित ने आभार प्रदर्शन किया व कार्यशाला का संचालन श्रीमती अनिता लाला ने किया। इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ. बशीरउल्ला शेख थे।

मानव शरीर से एयरोस्पेस तक रोबोटिक्स व मेम्स की अनिवार्यता : प्रो. विजय अग्रवाल

रोबोटिक्स एण्ड मेम्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

निटर, भोपाल में 14 मई से 18 मई 2014 तक 'रोबोटिक्स एण्ड माईक्रो इलेक्ट्रो मैकेनिकल सिस्टम्स' पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रो. विजय कुमार अग्रवाल द्वारा किया गया। उद्घाटन अवसर पर प्रो. अग्रवाल ने रोबोटिक्स एवं माईक्रो इलेक्ट्रो मैकेनिकल सिस्टम्स की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज के युग में मेडीकल साइंस, मानव शरीर, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, आटोमोबाईल इंजीनियरिंग एवं उत्पादन ईकाईयों में मेम्स का उपयोग हो रहा है। मेम्स से उत्पादन ईकाइयों की दक्षता एवं गुणवत्ता में वृद्धि हुई है, तथा उपकरणों के आनुपातिक आकार में कमी आई है जिसके कारण उनका उपयोग एवं परिवहन सुलभ एवं सरल हो गया है। मेडीकल साइंस में भी

सम्बोधित करते प्रो. शरद प्रधान

कृत्रिम मानव अंगों के निर्माण में यह तकनीक मील का पत्थर साबित हुई है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत उपयोगी रहेगा। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. शरद प्रधान ने उद्घाटन सत्र के प्रारम्भ में प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा जटिल तकनीकी विषयों को समझने एवं प्रयोग में लाने हेतु शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को सरलता होगी। इस कार्यक्रम में आईआईएससी बैंगलोर के प्रो. जी.के. अनंत सुरेश ने माईक्रो इलेक्ट्रो मैकेनिकल सिस्टम्स की उपयोगिता व आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने इन स्मार्ट डिवाइसेस को विज्ञान के विकास के लिए अति–आवश्यक बताया। उन्होंने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में माइक्रो–सिस्टम, माइक्रो–सेन्सर्स, माईक्रो– एकच्यूएटर व माईक्रो–इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे विषयों पर व्याख्यान किये। इन स्मार्ट डिवाइसेज की डिजाइन, मेन्यूफेक्चरिंग व पैकेजिंग के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी। आईआईटी इन्दौर के प्राध्यापक डॉ. एम. शांताकुमार ने रोबोटिक्स विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने तकनीकी सत्रों में रोबोटिक्स विषय के अंतर्गत काईनेमेटिक्स,

सम्बोधित करते प्रो. विजय अग्रवाल

डायनॉमिक्स व रोबोट की मैथमेटिकल मॉडलिंग के बारे में प्रदेश के इंजीनियरिंग कालेजों से आये प्रतिभागियों और शोधार्थियों को प्रशिक्षित किया। प्रो. शरद प्रधान ने मेटलैब सॉफ्टवेयर द्वारा रोबोट की कायनेमेटिक्स प्रोग्रामिंग पर प्रशिक्षण दिया।

समापन समारोह के अवसर पर प्रदेश के इंजीनियरिंग कालेजों से आये संकायगण, विद्यार्थीगण और शोधार्थियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की और कहा कि निटर, भोपाल को मैकेनिकल इंजीनियरिंग के जटिल तकनीकी विषयों को समझने एवं प्रयोग में लाने हेतु इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना चाहिये ताकि भविष्य में उत्पादन ईकाईयों में कार्य करने वाले

मैकेनिकल इंजीनियर्स रोबोटिक्स एवं मेम्स के उपयोग से उत्पादन इकाईयों की दक्षता एवं गुणवत्ता में वृद्धि कर सकें। प्रो. शरद प्रधान ने समापन समारोह में प्रो. जी.के. अनंत सुरेश तथा डॉ. एम. शांथाकुमार को धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि निटर, भोपाल का मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग भविष्य में भी इसी तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा।

एनआईटीटीटीआर भोपाल को राजभाषा पुरस्कार

भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा एनआईटीटीटीआर, भोपाल को राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन में "क" क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए " 2013 का प्रथम राजभाषा पुरस्कार प्रदान किया गया। संस्थान को यह पुरस्कार मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा विशाखापट्टनम में आयोजित हिन्दी सम्मेलन में दिया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों में राजभाषा के प्रचार–प्रसार और कार्यालय में राजभाषा के उपयोग में आने वाली समस्या के बारे में चर्चा की गई। इस संगोष्ठी में विभिन्न राज्यों से लगभग 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रो. आर.पी. खम्बायत व प्रो. शैलेन्द्र सिंह ने इस सम्मेलन में निटर, भोपाल की ओर से प्रतिनिधित्व किया।

प्रोजेक्ट उत्थान के तहत प्रशिक्षण सम्पन्न

निटर, भोपाल द्वारा 26 से 28 मई 2014 तक मध्यप्रदेश के नगरीय निकायों के लिये डबल एन्ट्री, बुककीपिंग विषय पर आधारित अकाउंटिंग साफ्टवेयर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 09 नगर निगम के 22 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. विजय कुमार अग्रवाल, निदेशक, निटर, भोपाल ने किया। प्रो. अग्रवाल ने कहा कि मुझे खुशी है कि हमारे संस्थान का इन्फ्रास्ट्रेक्चर राष्ट्रीय विकास के काम आ रहा है। निटर भोपाल अपने सामाजिक उत्तरदायित्व व प्रशिक्षण में गुणवत्ता के लिये प्रतिबद्ध है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में एकाउन्ट साफ्टवेयर के वर्क्स, बजट, स्थाई सम्पत्ति, लेखा मॉड्यूल पर प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर प्रो. एच.एम.मिश्र, श्री सोहानी, प्रो. जे.पी. टेगर, श्री मधुसुदन शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. आर. के.दीक्षित थे।

आयकर निर्धारण पर प्रशिक्षण

संस्थान के सभागार में 23 जून 2014 को "आयकर के निर्धारण" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। विषय विशेषज्ञ एवं चार्टर्ड अकाउंटेन्ट श्री अंशुल अग्रवाल ने संस्थान के अधिकारियों/कर्मचारियों को आयकर के विभिन्न पहलुओं पर महत्त्वपूर्ण जानकारियां दी। संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने श्री अंशुल अग्रवाल का स्वागत करते हुए कहा कि नौकरीपेशा हर व्यक्ति को आयकर से जुड़ी हर जानकारी होना चाहिए। श्री अंशुल अग्रवाल ने रिटर्न फाईल करने, आयकर बचाने, कृषि आय पर आयकर, टीडीएस से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर रोचक जानकारियाँ दी। इस अवसर पर डॉ. आर.के. दीक्षित, अधिष्ठाता सहित संस्थान के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनिता लाला एवं आभार प्रदर्शन प्रशासनिक अधिकारी श्री डी.के. तिवारी ने किया।

प्रो. एस.आर. गनोरकर को श्रद्धांजलि

संस्थान के सह प्राध्यापक प्रो. एस.आर. गनोरकर का 28 मई 2014 को असामयिक निधन हो गया। प्रो. गनोरकर अपने पीछे पत्नी, पुत्र तथा एक पुत्री को शोक संतृप्त छोड़ गये। संस्थान द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा में प्रो. विजय अग्रवाल ने कहा कि प्रो. गनोरकर ने तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रो. गनोरकर का निधन संस्थान के लिये अपूरणीय क्षति है। संस्थान परिवार के सदस्यों ने प्रो. गनोरकर के योगदान को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

संस्थान द्वारा आयोजित राजभाषा कार्यक्रम

राजभाषा कार्यन्वयन समिति की 64वीं बैठक सम्पन्न

निटर, भोपाल की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 64वीं बैठक 29 मई 2014 को संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने की। इस बैठक में संस्थान की राजभाषा निरीक्षण रिपोर्ट, पत्राचार का प्रतिशत बढ़ाने आदि पर चर्चा की गई। इस अवसर पर संस्थान की राजभाषा पत्रिका "संपर्क सरिता" का विमोचन भी किया गया। इस बैठक में संस्थान की राजभाषा समिति में नये सदस्यों को शामिल किये जाने का निर्णय लिया गया। बैठक में हिन्दी में फिल्म बनाने तथा उन्हें डीटीएच के माध्यम से प्रसारित किये जाने का प्रस्ताव भी प्रस्तुत किया गया। निदेशक प्रो. अग्रवाल ने बताया कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा 22–23 मई 2014 तक विशाखापट्टनम में आयोजित अखिल भारतीय राजभाषा संगोष्ठी में संस्थान को "क" क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु वर्ष 2013 का प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। उन्होंने संस्थान परिवार को इस उपलब्धि के लिये बधाई दी। इस बैठक में संस्थान के अधिकारीगण/कर्मचारीगण उपस्थित थे।

संपर्क सरिता का विमोचन करते प्रो. विजय अग्रवाल

वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रक्रिया पर प्रशिक्षण

संबोधित करते प्रो. विजय अग्रवाल

संस्थान की राजभाषा समिति के तत्वाधान में 08 एवं 09 जुलाई 2014 को "वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रक्रिया" पर प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में प्रशिक्षणार्थियों को अवकाश यात्रा रियायत एवं यात्रा भत्ता, जी.एफ.आर. 2005, सेवानिवृत्ति के प्रकार एवं लाभ, आयकर, नोटशीट लेखन, सेवा शर्तें एवं सेवा पुस्तिका, ग्रुप डिस्कशन आदि पर चर्चा की गई। इस कार्यशाला के समन्वयक श्री डी. के. तिवारी एवं श्री एस.एस. अस्थाना थे। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. आर.के. दीक्षित, श्री आर.एन. मिश्रा, श्री अंशुल अग्रवाल ने भी प्रशिक्षण दिया। संस्थान के निदेशक डॉ. विजय अग्रवाल ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण–पत्र वितरित करते हुए वित्तीय एवं प्रशासनिक प्रक्रिया के ज्ञान को संस्थान की प्रभावी कार्यशैली के लिये महत्त्वपूर्ण बताया।

तनाव प्रबंधन पर हिन्दी कार्यशाला

व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास विभाग द्वारा 06 से 07 मई 2014 तक राजाभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में "तनाव प्रबंधन" विषय पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को तनाव के विभिन्न पक्ष, तनाव प्रबंधन की आवश्यकता एवं महत्व, सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास, कार्य एवं दैनिक जीवन में सामंजस्य, प्राणायाम एवं ध्यान द्वारा क्रमिक तनाव प्रबंधन, लॉ ऑफ अट्रेक्शन, तनाव से होने वाली हानियां, आध्यात्मिकता का महत्व आदि विषयों को प्रभावी तरीके से समझाया गया। सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. पीयूष वर्मा थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. चंचल मेहरा ने सहयोग प्रदान किया।

व्याख्यान देते प्रो. पीयूष वर्मा

अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

आधुनिक उपकरण तकनीक पर प्रशिक्षण

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा 09 से 13 जून 2014 तक "आधुनिक उपकरण तकनीक" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को विज्ञान के नये–नये उपकरणों व प्रयोगों के बारे में जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को आईसर, भोपाल में स्थापित प्रयोगशालाओं का भ्रमण कराया गया। इस कार्यक्रम में गुजरात एवं महाराष्ट्र के पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. बशीरउल्ला शेख थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. हुसैन जीवाखान एवं डॉ. इज़हार अहमद ने सहयोग प्रदान किया।

तकनीकी शिक्षा पाठ्यक्रम में नैनोटेक्नोलॉजी

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा 12 से 14 मई 2014 को "तकनीकी शिक्षा पाठ्यक्रम में नैनोटेक्नोलॉजी" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में तकनीकी पाठ्यक्रम में नैनोटेक्नोलॉजी से संबंधित विषयों को सम्मलित करने के बारे में विस्तृत चर्चा के साथ विभिन्न अभियांत्रिकीय संकायों में नैनोटेक्नोलॉजी से संबंधित अनुप्रयोगों एवं विषयों की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को नैनो पार्टिकल एवं नैनो स्ट्रक्चर के संवर्धन एवं केरेक्ट्राईजेसन के लिए उपयोग में आने वाले अत्याधुनिक यंत्रों जैसे एएफएम, एसटीएम एवं एसीएम से अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. हुसैन जीवाखान थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. पी.के. पुरोहित ने सहयोग प्रदान किया।

बौद्धिक संपदा अधिकार पर प्रशिक्षण

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा 02 से 06 जून 2014 तक "बौद्धिक संपदा अधिकार, पेटेन्ट प्रक्रिया समस्याएँ एवं निदान" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को बौद्धिक संपदा का महत्त्व एवं प्रकारों की जानकारी, पेटेंट की प्रक्रिया एवं उससे जुड़े हुए कानूनी पहलुओं, पेंटेंट प्रक्रिया से संबंद्ध समस्याओं एवं निदानों का विश्लेषण, बौद्धिक संपदा संरक्षण के लिये दिये जाने वाले निर्णय एवं वैकल्पिक उपाय, आपत्ति निराकरण एवं अपील के स्तरों की जानकारी भी दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के विभिन्न स्थानों से आये प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अभिलाष ठाकुर थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. रोली प्रधान व डॉ. हुसैन जीवाखान ने सहयोग दिया।

न्यूमेरीकल मैथड्स एण्ड इट्स एप्लीकेशन्स इन इंजीनियरिंग एण्ड साईस

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा 26 से 30 मई 2014 तक "न्यूमेरीकल मैथड्स एंड इट्स एप्लीकेशन्स इन इंजीनियरिंग एण्ड साईंस" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को इन्टरपोलेशन, अलज़ेबरिक एवं ट्रांसिडेन्टल समीकरणों का हल, न्यूमेरिकल डिफ्रेंसिएशन एवं इन्टीग्रेशन के इंजीनियरिंग अनुप्रयोगों एवं मेटलेब तथा उद्योगों में उपयोग किये जाने वाले विभिन्न मेथमेटिकल मॉडल्स द्वारा उनके हल आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/ इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के 18 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. दीपक सिंह थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. के.के. पाठक एवं डॉ. पी.के. पुरोहित ने सहयोग प्रदान किया।

फार्मेसी शिक्षकों के लिए नये प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा फार्मेसी महाविद्यालयों के शिक्षकों हेतु नये प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। इस संदर्भ में मध्यप्रदेश के फार्मेसी महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं वरिष्ठ प्राध्यापकों की एक बैठक संस्थान में 30 जून 2014 को आयोजित की गई। इस बैठक को विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एस.पी. गुप्ता ने संबोधित किया। इस बैठक में कई महत्त्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुये। फार्मेसी महाविद्यालयों के प्राचार्यो ने आग्रह किया कि निटर, भोपाल को फार्मेसी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के लिये नये प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना चाहिए, जिससे निटर, भोपाल की विशेषज्ञता का लाभ उन्हें मिल सके। उन्होंने निटर, भोपाल की हाईटेक फार्मेसी लेब में उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की एवं कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से शोध की गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा। विभाग इस संदर्भ में एक

कार्ययोजना बनाकर शीघ्र ही प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रारंभ करेगा। इस बैठक में डॉ. अतुल मिश्रा व डॉ. बशीरउल्ला शेख भी उपस्थित थे।

नैनोटेक्नॉलॉजी एवं उसके अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा शासकीय पॉलिटेक्निक, नासिक में 14 से 18 जुलाई 2014 तक "नैनोटेक्नॉलॉजी एवं उसके अनुप्रयोग" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को नैनो मटेरियल एवं नैनो स्ट्रक्चर के प्रकार, विकास की प्रक्रिया, संवर्धन एवं प्रयोग के साथ नैनो स्केल मटेरियल एवं सरफेस केरेक्टराईजेशन की तकनीक जैसे ए.एफ. एम., एस.टी.एम. एवं इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोपी से संबधित जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को नैनो टेक्नोलॉजी में प्रयोग में आने वाले लेटेस्ट उपकरणों से अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग संस्थान के 30 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अभिलाष ठाकुर थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. बशीरउल्ला शेख़ ने सहयोग प्रदान किया।

लेजर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा विस्तार केन्द्र पुणे में 14 से 16 जुलाई 2014 तक "लेजर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को लेजर के आधारभूत सिद्धांत का विस्तृत विवरण दिया गया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की लेजर एवं उनकी कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लेजर होलोग्राम के अलावा लेजर की संचार, चिकित्सा, शोध व मटेरियल प्रोसेसिंग में अनुप्रयोग की जानकारी दी गई। प्रशिक्षणार्थियों को लेजर प्रयोगशाला में प्रयोग निर्माण करने के लिए प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. हुसैन जीवाखान थे। विषय विशेषज्ञ के रूप में पुणे विश्वविद्यालय के प्रो. ए.डी. शालिग्राम ने योगदान दिया।

निटर भोपाल द्वारा आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम

निटर भोपाल द्वारा पिछले तीन माह में देश के कई प्रदेशों में इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किये गये। इन कार्यक्रमों में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। महाराष्ट्र राज्य में नव नियुक्त शिक्षकों के लिये विशेष इंडक्शन कार्यक्रम की मांग की गई थी। महाराष्ट्र राज्य के लिये दस विशेष इंडक्शन कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिनमें लगभग चार सौ शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इंडक्शन फेस-1 औरंगाबाद में आयोजित

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा एम.एस.बी.टी.ई. कार्यक्रम के अंतर्गत एम.जी.एम. पालिटेक्निक कॉलेज औरंगाबाद में 23 जून से 04 जुलाई 2014 तक "इंडक्शन कार्यक्रम फेस–1" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को शिक्षण से संबंधित मूल अवधारणाओं के साथ विषय का विश्लेषण, संचार की महत्ता एवं विधियों, शिक्षण को प्रभावी बनाने के लिये शिक्षण विधियों पर प्रशिक्षण दिया गया।

इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के 40 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. बशीरउल्ला शेक थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. अभिलाष ठाकुर एवं विशेषज्ञों ने सहयोग प्रदान किया।

इंडक्शन फेस-1 अहमदाबाद में आयोजित

संस्थान द्वारा 23 जून से 04 जुलाई 2014 तक विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में "इंडक्शन फेस–1" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आधुनिक शिक्षण तकनीक, तकनीकी शिक्षा प्रणाली का अवलोकन, तकनीकी शिक्षकों की भूमिका एवं जिम्मेदारी, पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम की अवधारणा, शिक्षण एवं निर्देश के सिद्धांत, प्रशिक्षण एवं शिक्षण उद्देश्य, एनबीए आवश्यकताओं के संदर्भ में उद्देश्य लेखन, प्रभावी शिक्षण और प्रशिक्षण के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग आदि विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम के द्वितीय सप्ताह में प्रश्न के प्रकार एवं एक अच्छे प्रश्न पत्र की रूपरेखा तैयार करना, शिक्षण अभ्यास हेतु प्रेरणा, व्यक्तित्व विकास, संगठित एवं नियोजित प्रायोगिक कार्य, शिक्षण सत्र के लिए योजना तैयार करना, पावर पॉइंट की प्रस्तुति पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कुल 38 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के प्रथम सप्ताह के समन्वयक डॉ. निशीथ दुबे थे एवं डॉ. एन.पी पाटीदार ने संकाय सदस्य के रूप में सहयोग प्रदान किया। द्वितीय सप्ताह के समन्वयक डॉ. पी.के. पुरोहित थे एवं डॉ. पीयूष वर्मा ने संकाय सदस्य के रूप में सहयोग प्रदान किया।

इंडक्शन फेस-1 नागपुर में आयोजित

संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा तुलसीराम गायकवाड़ पाटिल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, वर्धा रोड, नागपुर में 16 से 27 जून 2014 तक "इंडक्शन ट्रेनिंग प्रोग्राम फेस–1" आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में एमएसबीटीई के उपसचिव, कॉलेज के प्राचार्य एवं ट्रस्ट के अध्यक्ष उपस्थित हुए। इस द्विसाप्ताहिक ट्रैनिंग प्रोग्राम में प्रतिभागियों को तकनीकी शिक्षकों की भूमिका और जिम्मेदारी, शिक्षण पद्धति, प्रभावी संचार एवं समय प्रबंधन जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिये गये। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के 50 तकनीकी शिक्षकों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की तथा इंडक्शन फेस–2 के आयोजन की मांग की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम सप्ताह के समन्वयक प्रो. एम.सी.पालीवाल थे तथा द्वितीय सप्ताह के समन्वयक प्रो. के.के.पाठक थे।

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग में ई–कंटेन्ट निर्माण एवं एजूकेशन वीडियो निर्माण पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। इन कार्यक्रमों में गुजरात, गोवा एवं मध्यप्रदेश से आए शिक्षकों ने वीडियों कार्यक्रम निर्माण की बारीकियों को समझा एवं ई–कंटेन्ट हेतु स्क्रिप्ट एवं वीडियो श्रृंखला तैयार की। इन कार्यक्रमों में डॉ. प्रभाकर सिंह, डॉ. एस.एस. केदार, श्री राजीव गोहिल एवं प्रो. जी.टी. लाला ने प्रशिक्षण दिया। विभाग में इस माह में राजस्थान वि.वि. की विख्यात रसायन शास्त्री डॉ. श्रीमती अंशु डांडिया के "ग्रीन केमिस्ट्री" विषय पर वीडियो व्याख्यान रिकार्ड हुये। विभाग में इंडियन रेल्वे के निशातपुरा कोच फैक्ट्री के चीफ वर्कशाप मैनेजर डॉ. लक्ष्मीरमण के साथ एक प्रतिनिधि मण्डल ने स्टुडियो एवं कार्यक्रमों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण संसाधनों के निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ लेने हेतु उनके ट्रेनिंग डिवीजन द्वारा पहल की जावेगी। विभाग द्वारा अगरिया जाति के लोगों द्वारा बनाये जाने वाले लोहे के विषय पर एक लघु फिल्म का सम्पादन किया गया। विभाग के प्रो. जी.टी. लाला, प्रो. अस्मिता खजांची ने मुंबई एवं पुणे में महाराष्ट्र राज्य एवं प्रो. एस.एस. केदार एवं प्रो. जी.टी. लाला ने त्रिपुरा राज्य के शिक्षकों के लिये आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया। विभाग में रिकार्ड किए गये वीडियो व्याख्यानों के वैलिडेशन की प्रक्रिया शुरू की गई।

सिक्रोंनस मशीन एण्ड मॉडलिंग विषय पर कार्यक्रम

संस्थान के मीडिया विभाग द्वारा मई माह में आधुनिक माध्यमों के प्रयोग पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. जी. टी. लाला थे। इस कार्यक्रम में वीडियो प्रोग्राम एवं ई– कंटेन्ट निर्माण विषय पर चर्चा की गई। इस प्रशिक्षण में प्रो. एस.एस. केदार एवं श्री राजीव गोहिल ने भी प्रशिक्षणार्थियों को स्टुडियो एवं उपकरणों के बारे में जानकारी दी। प्रो. प्रभाकर सिंह द्वारा ई–कंटेन्ट के महत्व पर चर्चा की गई। प्रशिक्षणार्थियों द्वारा कार्यक्रम को सराहा गया। विभाग में इस माह में बीस वीडियो लेक्चर रिकार्ड हुये। विभाग द्वारा एआईसीटीई हेतु संस्थान के संसाधनों पर आधारित वीडियो तैयार किया गया। इसका समन्वयन प्रो. अस्मिता खजांची एवं श्री राजीव गोहिल ने किया। अप्रेंटिसशिप ट्रेनिंग स्कीम के प्रचार प्रसार हेतु मराठी, अंग्रेजी, हिन्दी में कमेंटरी रिकॉर्ड की गई।

विस्तार केन्द्र गोवा द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्लाउड कम्प्यूटिंग पर प्रशिक्षण

संस्थान के विस्तार केन्द्र गोवा द्वारा 19 से 30 मई 2014 तक "क्लाउड कम्प्यूटिंग" विषय पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्लाउड कम्प्यूटिंग से संबंधित विभिन्न साफ्टवेयर्स पर प्रायोगिक कार्य कराया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक / इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के 17 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एलेन संजय रोचा थे। समापन समारोह में गोवा के सूचना प्रोद्योगिकी विभाग के निदेशक श्री निलेश फलदेसाई ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये।

लैपटॉप व मोबाइल रिपेयरिंग पर प्रशिक्षण

संस्थान के विस्तार केन्द्र गोवा द्वारा 05 से 16 मई 2014 तक "लैपटॉप व मोबाइल रिपेयरिंग" विषय पर दो सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लैपटॉप व मोबाइल के प्रयोग में आने वाली समस्याओं के निराकरण पर प्रायोगिक कार्य कराया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक / इंजीनियरिंग महाविद्यालययों के 24 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में श्री रितेश कोटवाले व प्रो. नरेन्द्र कामत ने सहयोग दिया।

गतिविधियां

चित्रमय झांकी

प्रयोगशाला तकनीशियन हेतु प्रशिक्षण

संस्थान के मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 23 से 27 जून 2014 तक "ट्रेनिंग ऑफ लेब टेक्नीशियन फॉर मैकेनिकल एंड एलाइड ब्रांचेस" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लेब से संबधित विषयों पर प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. वंदना सोमकुवर थीं। संकाय सदस्य के रुप में प्रो. चंचल मेहरा ने सहयोग प्रदान किया।

आप्टीकल फाइबर सिस्टम पर कार्यक्रम

संस्थान के इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 05–09 मई 2014 तक "ऑप्टिकल फाइबर सिस्टम" विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में मध्य प्रदेश, के शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण के दौरान ऑप्टीकल फाइबर सिस्टम के महत्त्व, उपयोग व इस क्षेत्र में चल रहे तात्कालिक शोध कार्यों के बारे में चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में ऑप्टीकल फाइबर प्रयोगशाला के विभिन्न प्रयोगों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजली पोटनीस थीं।

व्ही.एल.एस.आई. डिजाइन पर प्रशिक्षण

संस्थान के इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विस्तार केन्द्र, पुणे में 19 से 23 मई 2014 तक "व्ही.एल.एस.आई. डिजाइन" विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य व्ही.एल.एस.आई. डिजाइन के बारे मे विस्तृत जानकारी देना था। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. संजीत कुमार थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. ए. डी. शालिग्राम ने योगदान दिया।

एमएसबीटीई इन्डक्शन कार्यक्रम मुंबई में आयोजित

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग द्वारा शाह एण्ड एन्कर पॉलिटेक्निक, मुबंई में 23 से 27 जून 2014 तक "एमएसबीटीई इन्डक्शन प्रोग्राम" आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के 54 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. संजय अग्रवाल थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने सहयोग प्रदान किया।

कार्यालय प्रबंधन में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग

संस्थान के कम्प्यूटर इंजीनियरिंग और अनुप्रयोग विभाग द्वारा 30 जून से 02 जुलाई 2014 तक "कार्यालय प्रबंधन में सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उददेश्य संपूर्ण गुणवत्ता की परिकल्पना को स्पष्ट करना, विभिन्न अवयवों का विवरण, यंत्रों एवं तकनीकों का वर्णन, नगरीय निकायों में लागू करने हेतु संपूर्ण गुणवत्ता मॉडल तैयार करना एवं निर्माण कार्यो एवं परियोजनाओं की सम्पूर्ण गुणवत्ता सुनिश्चित करना था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन एवं विकास संभाग मध्यप्रदेश के 19 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. शैलेन्द्र सिंह थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. संजय अग्रवाल, डॉ. एम.ए. रिजवी, डॉ. प्रियंका त्रिपाठी ने सहयोग प्रदान किया।

प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

परफॉरमेंस अप्रैज़ल एण्ड स्टाफ डेव्लेपमेंट पर प्रशिक्षण

संस्थान के प्रबंधन विभाग द्वारा 19 से 21 मई 2014 तक "परफॉरमेंस अप्रैज़ल एण्ड स्टाफ डेव्लेपमेन्ट" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को परफॉरमेन्स अप्रैज़ल की परिकल्पना, इसके विभिन्न मॉडल, फैकल्टी तथा स्टाफ मेंबर्स के लिए परफॉरमेंस अप्रैज़ल की परिकल्पना तथा परफॉरमेंस अप्रैज़ल सिस्टम का निर्माण, स्टाफ डेव्लेपमेंट की आवश्यकता पर व्याख्यान दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/ इंजीनियरिंग महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आशीष देशपांडे थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. रोली प्रधान ने योगदान दिया।

बदलाव एवं नवाचार का प्रबंधन

संस्थान के प्रबंधन विभाग द्वारा 19 से 21 मई 2014 तक "बदलाव एवं नवाचार का प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी संस्थाओं में बदलाव तथा नवीनीकरण, एनबीए एक्रीडिटेशन, इंस्टीट्यूशन बिल्डिंग, अकादमिक ऑडिट, पॉलिटेक्निक कॉलेजों में बदलाव, प्रबंधन के मॉडल्स आदि विषयों पर व्याख्यान दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/ इंजीनियरिंग महाविद्यालय के प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. पराग दुबे थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. बी.एल. गुप्ता ने योगदान दिया।

एम.ई.आई.टी. गोंदिया में कार्यशाला

संस्थान के प्रबंधन विभाग द्वारा एम.ई.आई.टी. गोंदिया में 23 से 27 जून 2014 तक आई.एस.टी.ई. नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित "एन बी ए एक्रीडिटेशन एण्ड आई एस ओ" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में एन.बी.ए. एक्रीडिटेशन, आई. एस.ओ. एवं सम्पूर्ण गुणवत्ता पर व्याख्यान दिया गया। इसके साथ ही छात्रों के घटते हुए प्रवेश, शिक्षा की गुणवत्ता, वित्तीय संकट जैसे मुद्दे पर भी चर्चा हुई। इस कार्यशाला में नागपुर क्षेत्र की तकनीकी एवं प्रबंधन संस्थाओं के 70 प्राध्यापकों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के संयोजक प्रो. बी.एल. गुप्ता थे।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की अर्द्धवार्षिक बैठक सम्पन्न

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) भोपाल की छःमाही बैठक 25 जुलाई 2014 को केन्द्रीय विद्युत अनुसंधान संस्थान, गोविन्दपुरा भोपाल के सौजन्य से उनके प्रेक्षागृह में सम्पन्न हुई।

बैठक की अध्यक्षता डॉ. डी.सिंह करौलिया, प्राध्यापक, राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा की गई। बैठक में सीपीआरआई प्रमुख, डॉ. बी.वी. रघुवय्या, आयकर आयुक्त श्री एस.एस. कैम्पवाल, बीएसएनएल के मुख्य महाप्रबंधक श्री महेश शुक्ला, एनआईसी के निदेशक डॉ. एम.विनायक राव एवं डॉ. महकार सिंह, उप महालेखाकर श्री समीर मेहता, आकाशवाणी केन्द्र प्रमुख श्री सुदर्शन अंसोलिया, श्री डी. के. तिवारी, प्रशासकीय अधिकारी एनआईटीटीटीआर भोपाल तथा श्री एस.एस. अस्थाना सचिव, नराकास एवं केन्द्र सरकार के कार्यालय प्रमुख एवं उनके हिन्दी अधिकारीगण उपस्थित थे।

नराकास की बैठक में तिमाही रिपोर्ट भरने, वार्षिक कार्यक्रम में दिये लक्ष्यों की प्राप्ति, सदस्य कार्यालयों की छःमाही रिपोर्ट की समीक्षा एवं प्रशिक्षण के बारे में गहन विचार विमर्श हुआ। नराकास की अगली बैठक इंदिरा गांधी मानव संग्राहलय में आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

प्रश्न–पत्र प्रारूप पर कार्यशाला

संस्थान के व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास विभाग द्वारा 02 से 06 जून 2014 तक "प्रश्न–पत्र प्रारूप" विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मूल्यांकन पद्धति, अच्छे प्रश्नपत्र के गुण, प्रचलित प्रश्न–पत्रों के गुणों का अध्ययन, वैधता, विश्वसनीयता, लघुउत्तरीय, बहु विकल्पीय प्रश्नों का निर्माण, प्रश्नपत्रों में प्रश्नों का क्रम, अधिभार का निर्धारण, प्रश्नों का प्रस्तुतीकरण आदि विषयों पर प्रभावी ढंग से प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/ इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के 31 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. अनिल कुमार थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. अंजू रौले ने सहयोग प्रदान किया।

सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

मॉडल क्वेश्चन पेपर्स डेव्लेपमेंट इन सिविल एंड एलॉइड डिसिप्लिन्स

संस्थान के सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विस्तार केंद्र अहमदाबाद में "मॉडल क्वेश्चन पेपर्स डेव्लेपमेंट इन सिविल एंड एलॉइड डिसिप्लिन्स" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 05 से 09 मई 2014 तक किया गया। कार्यक्रम में 14 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में तीसरे से पांचवे सेमेस्टर के विभिन्न विषयों के 11 मॉडल क्वेश्चन पेपर नमूने के रूप में तैयार किये गये। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. व्ही.एच. राधाकृष्णन थे एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. एम.सी.पालीवाल ने सहयोग प्रदान किया।

मैनेजमेंट ऑफ सीडीटीपी स्कीम फॉर मध्यप्रदेश स्टेट

संस्थान के सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग द्वारा मध्यप्रदेश राज्य के लिये "सीडीटीपी स्कीम का प्रबंधन" विषय पर 05 से 09 मई 2014 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षणार्थियों को सीडीटीपी के तहत गतिविधियों की समीक्षा, वार्षिक परिचालन योजना की तैयारी, सीडीटीपी योजना के तहत प्रशिक्षुओं के स्वरोजगार जैसे विषयों पर व्याख्यान दिये गये। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 24 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षणार्थियों को भोपाल स्थित सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग का भ्रमण भी कराया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ए.के.जैन थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. आर.के.दीक्षित ने सहयोग प्रदान किया।

डिजास्टर मैनेजमेंट पर प्रशिक्षण

संस्थान के सिविल एवं पर्यावरण इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 30 एवं 31 मई 2014 को एचईजी लिमिटेड के इंजीनियर्स के लिये "डिजास्टर मैनेजमेंट" विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम तवा स्थित एचईजी हाईड्रो पॉवर प्लांट डेम पर किया गया। इस कार्यक्रम में एचईजी के 18 सिविल, मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स ने भाग लिया। कार्यक्रम में डिजास्टर मैनेजमेंट के विभिन्न आयामों जैसे कि बाढ़ के समय प्लांट का बचाव, भूकंप के बाद प्लांट की देखभाल तथा इससे संबंधित अन्य प्राकृतिक एवं मानव निर्मित तथा तकनीकी द्वारा होने वाले डिजास्टर के बारे में विस्तार से बताया गया। यह कार्यक्रम संस्थान के प्रो. जे.पी.टेगर एवं प्रो. अतुल मिश्रा द्वारा संपन्न किया गया।

मैनेजमेंट ऑफ सीडीटीपी स्कीम फॉर महाराष्ट्र स्टेट

संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विस्तार केंद्र पुणे में 02 से 06 जून 2014 तक "मैनेजमेंट ऑफ सी.डी.टी.पी. स्कीम फॉर महाराष्ट्र स्टेट" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य कम्यूनिटी पॉलिटेक्निक परियोजना की विस्तृत जानकारी देना तथा नवीन कार्य योजना तैयार करना था। प्रशिक्षण के दौरान उपयुक्त ग्रामीण प्रौद्योगिकी संस्थान (आरती), पुणे के फल्टन स्थित केन्द्र में एक शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया जहाँ पर प्रशिक्षणार्थियों के समक्ष विभिन्न उपयुक्त प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया गया एवं इनकी उपयोगिता एवं संबंधित जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालययों के 46 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अजय कुमार जैन थे। प्रो. व्ही.डी. पाटिल ने संकाय सदस्य के रूप में सहयोग प्रदान किया ।

मैनेजमेंट ऑफ सीडीटीपी स्कीम फॉर गुजरात स्टेट

संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा विस्तार केंद्र अहमदाबाद में 16 से 20 जून 2014 तक "मैनेजमेंट ऑफ सी.डी.टी. पी. स्कीम फॉर गुजरात स्टेट" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य कम्युनिटी पॉलिटेक्निक परियोजना से संबंधित विभिन्न पहलुओं से प्रशिक्षणार्थियों को लाभान्वित करना, विगत वित्तीय वर्ष में परियोजना के अंतर्गत की गई गतिविधियों का मूल्यांकन करना तथा वर्ष 2014–15 हेतु कार्य योजना तैयार करना था। इस कार्यक्रम में 24 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. अजय जैन थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. शशिकांत गुप्ता ने सहयोग प्रदान किया।

छत्तीसगढ़ राज्य के पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के लिये उपकरणों की खरीद के लिये कार्यशाला

संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 26 से 27 मई 2014 को छत्तीसगढ़ राज्य के पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में विभिन्न प्रयोगशालाओं हेतु उपकरणों की सूची तैयार करने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य के 10 पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं संकायगण ने भाग लिया। इस कार्यशाला का उद्घाटन संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल द्वारा किया गया। प्रो.जे.पी.टेगर, विभागाध्यक्ष भी उद्घाटन सत्र में उपस्थित थे। कार्यशाला में तैयार की गई उपकरणों की खरीदी के लिये मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा राशि प्रदान की जाएगी जिससे प्रयोगशाला का उन्नयन होगा और विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। इस कार्यशाला का आयोजन प्रो. आर.जी.चौकसे, अधिष्ठाता के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यशाला में छत्तीसगढ़ राज्य के तकनीकी शिक्षा के सहायक निदेशक डॉ. जी.एस. बेदी ने भी भाग लिया। कार्यशाला के समन्वयक प्रो. एम.सी. पालीवाल थे व सिविल, इलेक्ट्रिकल, अनुप्रयुक्त विज्ञान, मैकेनिकल एवं कम्प्यूटर इंजीनियरिंग के संकायगणों ने सहयोग प्रदान किया।

मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण

मॉडल क्वेशन पेपर्स डेव्लेपमेंट इन मैकेनिकल

संस्थान के मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 12 से 16 मई 2014 तक "मॉडल क्वेशचन पेपर्स डेव्लेपमेंट इन मैकेनिकल" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर आदर्श प्रश्न पत्र तैयार किये। इस कार्यक्रम में प्रतिभागियों को करिकुलम एनालिसिस, इश्यू रिलेटेड टू एग्जिसटिंग सिस्टम ऑफ असाईनमेंट, रिलेशनशिप ऑफ लर्निंग डोमेन्स विथ आउटकम बेस्ड करिकुलम, स्पेशिफिकेशन टेबल, टाईप्स ऑफ क्वेशचन एवं डिजाईन ऑफ गुड क्वेशचन पेपर्स जैसे विषयों पर व्याख्यान दिये गये एवं इनसे संबधित असाईनमेंट द्वारा आउटकम बेस्ड क्वेशचन बनवाये गये। कार्यक्रम में मैकेनिकल इंजीनियरिंग, ऑटो मोबाईल, एवं प्लास्टिक इंजीनियरिंग, फेब्रीकेशन टेक्नोलॉजी के 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. के.के.जैन थे एवं संकाय सदस्य के रुप में डॉ. वंदना सोमकुंवर ने सहयोग प्रदान किया।

केटिया पर प्रशिक्षण

संस्थान के मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 16 से 20 जून 2014 तक "केटिया बेसिक" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को 2डी एवं 3डी मॉडलिंग के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम को अत्यधिक ज्ञानवर्धक बताया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. शरद कुमार प्रधान थे।

करिकुलम वर्कशाप ऑफ जीटीयू फॉर मैकेनिकल एण्ड एलाइड डिसिप्लिन

संस्थान के मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 21 से 22 मई 2014 तक "करिकुलम वर्कशाप ऑफ जीटीयू फॉर मैकेनिकल एण्ड एलाइड डिसिप्लिन" विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मैकेनिकल इंजीनियरिंग डिप्लोमा के 5वें व 6वें सेमेस्टर पर आउटकम बेस्ड करिकुलम, बनवाया गया। इस कार्यशाला में गुजरात के 14 संकायगणों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. शरद कुमार प्रधान थे एवं संकाय सदस्य के रुप में डॉ. ए.के. सराठे ने सहयोग प्रदान किया।

इफिशियेन्ट एनर्जी यूज एंड प्लानिंग

संस्थान के मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग की सह–प्राध्यापक डॉ. वंदना सोमकुंवर ने 11 से 13 जून 2014 तक बीजिंग (चीन) में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला "इफिशियेन्ट एनर्जी यूज एंड प्लानिंग" में भाग लिया। इस कार्यशाला में विभिन्न देशों के 13 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यशाला के संयोजक डॉ. टोमी मेनिशन थे।

प्रयोगशाला व प्रोजेक्ट कार्य का विकास

संस्थान के मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा विस्तार केन्द्र अहमदाबाद में 30 जून से 4 जूलाई 2014 तक "डेव्लेपिंग लेब प्रेक्टिस एण्ड मिनी प्रोजेक्ट वर्क लीडिगं टू स्किल डेव्लेपमेन्ट इन मैकेनिकल एण्ड एलाइड डिसिप्लिन फॉर 3 टू 5 सेमेस्टर डिप्लोमा कोर्स" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. शरद कुमार प्रधान थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. ए.के. सराठे ने सहयोग प्रदान किया।

प्रयोगशाला तकनीशियन हेतु प्रशिक्षण

संस्थान के मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 02 से 06 जून 2014 तक "ट्रेनिंग ऑफ लेब टेकिनशियन फॉर मैकेनिकल एण्ड एलाइड ब्रांचेस" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को लेब से संबधित उपकरणों के सम्पूर्ण प्रायोगिक कार्य करवाये गये। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के 16 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ए.के. सराठे थे।

इनवेन्टरी कन्ट्रोल पर प्रशिक्षण

संस्थान के मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा विस्तार केन्द्र पुणे में 16 से 21 जून 2014 तक "इनवेन्टरी कन्ट्रोल" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉ. ए.के. सराठे थे। संकाय सदस्य के रुप में डॉ. सी.के. चुघ ने सहयोग प्रदान किया।

इन्डक्शन फेस–1 बड़ोदरा में आयोजित

संस्थान के मैकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 4 से 16 मई 2014 तक पारुल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी बडोदरा में "इन्डक्शन फेस–1" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को उनके उत्तरदायित्व, पाठ्यक्रम व पाठ्यचर्या में अन्तर, एनबीए की आवश्यकताओं के अनुसार उद्देश्य लेखन, शिक्षण विधियां, संचार का प्रभावी तरीका, मीडिया विकास, प्रयोगशाला प्रबंधन, प्रश्नपत्रों का निर्माण, व्यक्तित्व विकास, समय प्रबंधन के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में 30 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के प्रथम सप्ताह के समन्वयक डॉ. सी.के. चुघ थे एवं संकाय सदस्य के रुप में डॉ. एस.एस. केदार ने सहयोग प्रदान किया। द्वितीय सप्ताह की समन्वयक प्रो. सूसन मेथ्यू थीं एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. एन.पी. पाटीदार ने सहयोग प्रदान किया।

शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

संचार एवं प्रस्तुतिकरण कौशल का विकास

संस्थान के शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा प्रगत शैक्षिक अध्ययन संस्थान, जबलपुर, के अनुमोदन पर परामर्श कार्यक्रम के अंतर्गत 28 अप्रैल से 02 मई 2014 तक संस्थान में "संचार एवं प्रस्तुतिकरण कौशल विकास" विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को राजभर्रा के कार्यों में संचार कौशल की आवश्यकता का वर्णन, शिक्षण सामग्री की प्रस्तुति का निष्पादन, संचार के माध्यम से विचार पर समूह चर्चा, प्रस्तुतिकरण के लिए शिक्षण सामग्री लिखने का समूह में अभ्यास, सक्रिय श्रवण विधियों के अनुभव एवं पारस्परिक संचार और प्रस्तुति कौशल में सुधार करना था। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को अंग्रेजी में लिखित अथवा मौखिक अनुच्छेदों को समझने में सुधार, श्रवण कौशल का विकास, लेखन कौशल का विकास, दूरभाष और इन्टरनेट पर संचार के शिष्टाचार की जानकारी, दूरभाष पर प्रश्नोतर के अभ्यास में वृद्धि, अंग्रेजी उपयोग में की गई सामान्य त्रुटियों की जानकारी, सार्वजनिक स्थानों पर अंग्रजी उपयोग के तरीकों में सकारात्मक

परिवर्तन आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में एससीईआरटी, आईएएसई, डीआईईटी और डीआरसी आदि संस्थान के कुल 18 शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अजित दीक्षित थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. किरन सक्सेना, डॉ. आर.पी. खम्बायत, डॉ. एस.के. सक्सेना, डॉ. के.एम. रस्तोगी तथा डॉ. अंजना तिवारी ने सहयोग प्रदान किया।

हिन्दी टंकण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्थान के शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा 23 मई 2014 को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र के सहयोग से 'यूनिकोड के साथ हिन्दी

टंकण' विषय पर निटर, भोपाल में एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यूनिकोड द्वारा प्रदत्त सुविधाओं को समझना और टंकण के लिए यूनिकोड का उपयोग करने में दक्षता अर्जित करना था। इस कार्यक्रम के द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को मुख्य रूप से कम्प्यूटर पर हिन्दी टंकण की मूलभूत जानकारी, हिन्दी टंकण के लिए विभिन्न कुंजी पटल, यूनिकोड के विभिन्न परिचालित सॉफ्टवेयर का प्रयोग, इंडिक एंड इंडिक भाषा उपकरण, कुंजी पटल की सुविधा एवं इंटरनेट से उसका डाऊनलोड, हिन्दी में अनुवाद, हिन्दी में मेल, हिन्दी में इंटरनेट का उपयोग आदि महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सभी कर्मचारियों ने कार्यक्रम की सराहना की एवं भविष्य के लिए इसे बहुत उपयोगी बताया। विषय विशेषज्ञ के रूप में राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र की सुश्री शुचिता कॉक ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अजित दीक्षित थे।

अनुसंधान हेतु आंकड़ों का विश्लेषण

संस्थान के शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग द्वारा 28 अप्रैल 2014 से 02 मई 2014 तक "अनुसंधान हेतु आंकड़ों का विश्लेषण" विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुसंधान में आंकड़ों के विश्लेषण से जुड़ी विभिन्न सांख्यिकीय विधियों पर चर्चा की गयी। कार्यक्रम में कई शोध प्रतिवेदनों के माध्यम से प्रतिभागियों को सांख्यिकी विश्लेषण की पद्धतियों पर चर्चा कराई गयी। साथ ही प्रदत्त विश्लेषण में कम्प्यूटर की उपयोगिता समझाई गई। इस कार्यक्रम में प्रदत्त विश्लेषण के उपयोगी एवं नवीन सॉफ्टवेयर एस.पी. एस.एस. के उपयोग की जानकारी भी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयोगिता पर चर्चा की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में डाईट, एसआईएसई, एससीईआरटी आदि के 24 सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. अनिल कुमार थे। संकाय सदस्य के रूप में डॉ. किरन सक्सेना ने सहयोग प्रदान किया।

व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

पावरपाइंट प्रेजेन्टेशन द्वारा मल्टीमीडिया का विकास

व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास विभाग द्वारा 19 से 23 मई, 2014 तक "पावरपाइंट प्रेजेन्टेशन द्वारा मल्टीमीडिया का विकास" विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को प्रभावी प्रेजेन्टेशन बनाने के लिए इण्टरनेट का उपयोग, ऑडियो एवं विजुएल का उपयोग करते हुए मल्टीमीडिया एलीमेन्ट का उपयुक्त समायोजन करना आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य शिक्षा केन्द्र के 26 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में संस्थान के निदेशक प्रो. विजय अग्रवाल ने प्रमाण पत्र वितरित किये। प्रशिक्षणार्थियों ने सीखे हुए ज्ञान का प्रयोग कर स्कूल शिक्षा को अधिक रोचक एवं प्रभावी बनाने के बात कही। सभी प्रतिभागियों ने निटर, भोपाल से राज्य शिक्षा केन्द्र के तहत विभिन्न संस्थानों के शिक्षक–प्रशिक्षकों की क्षमता संवर्धन में सहयोग देने की आशा व्यक्त की। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एस.एस. केदार थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. चंचल मेहरा ने सहयोग प्रदान किया। इस परियोजना के समन्वयक प्रो. अनिल कुमार थे।

प्रत्यायन के माध्यम से कार्यक्षमता में सुधार

व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास विभाग द्वारा 26 से 30 मई, 2014 तक "डिजाइनिंग एण्ड इम्प्लीमेंटिग इफेक्टिव सिस्टम ऑफ कन्टीन्यूयस एंड काम्प्रीहेन्सिंग एसेसमेण्ट" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को स्कूल शिक्षा की चुनौतियां, मूल्यांकन विधियों, सतत एवं व्यापक मूल्यांकन व्यवस्था की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण, इस विधि की रूपरेखा, महत्व, कार्यान्वयन आदि के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में राज्य शिक्षा केन्द्र के 22 संकाय सदस्यों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्याख्यान–सह–परिचर्चा विधि का प्रयोग किया। जिससे प्रतिभागियों ने परिचर्चा में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया तथा सभी पहलुओं को प्रभावी रूप से सीखा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. अंजू रौले थी। संकाय सदस्य के रूप में प्रोजेक्ट समन्वयक प्रो. अनिल कुमार ने सहयोग प्रदान किया।

अकादमिक लेखन पर कार्यक्रम

व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास विभाग द्वारा 12 से 16 मई, 2014 तक "अकादमिक लेखन" विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को लेखन के विभिन्न पहलुओं जैसे एकेडेमिक राइटिंग का अभिप्राय, विभिन्न आयाम, शोधकार्य का रिव्यू, अनुसंधान पेपर लिखना आदि पर विस्तृत चर्चा हुई। प्रतिभागियों में शोधकार्य का रिव्यू करना एवं अनुसंधान पेपर लिखने के कौशल को विकसित करने का प्रयास किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. अनिल कुमार थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. रोली प्रधान ने सहयोग प्रदान किया।

व्यावसायिक कौशल विकास पर कार्यशाला

संस्थान के व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास विभाग द्वारा 09 से 13 जून 2014 को "सॉफ्ट स्किल्स फॉर प्रिंसिपल्स" विषय पर एक केपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य शिक्षा केन्द्र सी.टी.ई.,डाईट संस्थानों के 23 प्राचार्यो तथा प्रभारी प्राचार्यो ने भाग लिया। कार्यक्रम में व्यावहारिक कौशल, संस्था विकास हेतु योजना निर्माण, नेतृत्व क्षमता का विकास, सम्प्रेषण, टीम निर्माण, तनाव प्रबंधन आदि विषयों का प्रभावी तरीके से प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में व्याख्यान प्रदर्शन के साथ–साथ परिचर्चा एवं केसस्टडी के माध्यम से वर्तमान शैक्षिक परिवेश के अनुरूप उपयोगी व्यावहारिक कौशल का प्रशिक्षण दिया गया। विभाग द्वारा राज्य शिक्षा केन्द्र के लिए आयोजित कार्यक्रमों में यह पांचवां प्रशिक्षण कार्यक्रम था। इस परियोजना के समन्वयक डॉ. अनिल कुमार थे। प्रो. आर.जी. चौकसे तथा प्रो. पीयूष वर्मा ने संकाय सदस्य के रूप में योगदान दिया।

अतिरिक्त निदेशक राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल का संवाद

संस्थान के व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास विभाग द्वारा 12 जून 2014 को आयोजित कार्यक्रम में राज्य शिक्षा केन्द्र के अपर निदेशक डॉ. ओ.पी. शर्मा ने प्राचार्यो से संवाद किया। डॉ. शर्मा ने कहा कि सामाजिक बदलाव के इस दौर में शिक्षा से लोगों की अपेक्षायें निरन्तर बदलने के साथ बढ़ रही हैं। इन्हें पूर्ण करने के लिए व्यावहारिक शिक्षा अत्यन्त आवश्यक है। डॉ. शर्मा ने कहा कि प्राचार्य, शिक्षकों, छात्रों तथा कर्मचारियों का आदर्श होता है।

अतः प्राचार्य को ज्ञान तथा कौशल में दक्ष होना आवश्यक है। जिससे अनुसरण करने वाले भी स्वयं को सुधारकर संस्था को गौरवान्वित कर सकें। इस संवाद में डॉ. शर्मा, डॉ. अनिल कुमार आदि ने शिक्षा के क्षेत्र में बदलते हुए परिदृश्य पर परिचर्चा की। प्रो. अनिल कुमार ने कहा कि तकनीकी शिक्षा में प्रवेश लेने वाले छात्र स्कूली शिक्षा पूर्ण करके ही आते हैं। अतः स्कूली शिक्षा उन्नत होने पर ही तकनीकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संभव है। समस्त स्कूली शिक्षकों एवं प्राचार्यो को इस क्षेत्र में विशेष प्रयास करना चाहिए। प्रो. निशीथ दुबे ने सम्प्रेषण कौशल में बॉडी लेग्वेंज के महत्व पर प्रकाश डाला।

प्राचार्यो के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

राज्य शिक्षा केन्द्र के प्रतिभागियों को प्रशिक्षित करने के लिए 23से 27 जून 2014 तक "सॉफ्ट स्किल्स फॉर प्रिंसीपल्स्" विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 26 प्राचार्य एवं प्रभारी प्राचार्यो ने भाग लिया। प्रो. बी.एल. गुप्ता ने संकाय सदस्य के रूप में शैक्षणिक संस्थाओं की योजना निर्माण की पद्धतियाँ, प्रविधि, रणनीतियां तथा प्रभावशीलता मापने के मापदंड का प्रभावी प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने नेतृत्व क्षमता विकास का वर्णन करते हुए जांच सूची तथा प्रश्नावली का प्रयोग किया। अकादमिक ऑडिट एवं अधिकार पर केस स्टडी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया गया। परियोजना समन्वयक एवं संकाय सदस्य प्रो. अनिल कुमार ने सम्प्रेषण कौशल की विधियां, महत्व, बॉडी लेग्वेंज, प्रभावी सम्प्रेषण कैशल की विधियां, महत्व व प्रभाव, सम्प्रेषण विकास विधि तथा इसके महत्व पर परिचर्चा की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. पीयूष वर्मा ने तनाव के कारण होने वाले रोग, तनाव प्रबंधन, प्राणायाम, ध्यान आदि पर प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम के दौरान टीम निर्माण के महत्व को बताने के लिए "समाचार पत्रों से पुल निर्माण" क्रियाविधि का रोचक ढंग से प्रयोग किया गया।

देहरादून में फैकल्टी डेव्लेपमेन्ट कार्यक्रम आयोजित

संस्थान के व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास विभाग द्वारा यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एण्ड एनर्जी स्टडीज, देहरादून में 16 से 20 जून 2014 तक "फैकल्टी डेव्लेपमेन्ट" विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आधारभूत शिक्षण कौशल तथा शिक्षण पद्धतियों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान एनबीए एक्रीडिटेशन प्रणाली पर चर्चा भी की गई। उन्होनें इस तरह के अन्य उपयोगी कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित करने की आशा व्यक्त की। इस कार्यक्रम के समन्यक प्रो. पीयूष वर्मा थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. चंचल मेहरा ने योगदान दिया।

संपूर्ण गुणवत्ता एवं सुरक्षा पर प्रशिक्षण

संस्थान के प्रबंधन विभाग द्वारा 09 से 11 जून 2014 तक नगरीय प्रशासन विभाग के अभियंताओं के लिए "सम्पूर्ण गुणवत्ता एवं सुरक्षा" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. एच.एम. मिश्र ने किया। उन्होंने इस अवसर पर निर्माण, सेवा एवं गतिविधियों में सम्पूर्ण गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु चर्चा की। इस कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. बी.एल. गुप्ता थे। संकाय सदस्य के रूप में प्रो. पराग दुबे व प्रो. आशीष देशपाण्डे ने सहयोग दिया।

आगामी महीनों में प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम/PROGRAMMES FOR POLYTECHNICS/ENGINEERING COLLEGES

No.	TITLE	DURATION	VENUE
1.	Excellence in Management Education	01-05 Sep 14	Bhopal
2.	Alternate Fuels	01-12 Sep 14	Bhopal
3.	Induction Phase-II	01-12 Sep 14	Bhopal
4.	Entrepreneurship , Creativity, Innovations and Incubations	08-12 Sep 14	Bhopal
5.	Induction Phase-II	01-12 Sep 14	Ahmedabad
6.	Induction Phase-II	01-12 Sep14	Bhopal
7.	Work Ethics, Motivational Climate & Attitude Development	08-12 Sep 14	Pune
8.	Advance Manufacturing Techniques	08-12 Sep 14	Bhopal
9.	Soft Skills	08-12 Sep 14	Goa
10.	Web Based Courseware Development	08-12 Sep 14	Bhopal
11.	Management of Change and Innovation	08-12 Sep 14	Pune
12.	CATIA for Mechanical Engineers	8-12 Sept 14	Ahmedabad
13.	Elements of Carbon Finance	08-12 Sep 14	Bhopal
14.	Organic Chemistry of Drug Design and Drug Action	08-12 Sep 14	Bhopal
15.	Renewable Energy Systems	08-19 Sep 14	Bhopal
16.	Internal Resource Generation	15-19 Sep 14	Pune
17.	Laboratory Practices in Civil Engineering	15-19 Sep 14	Pune
18.	Software Testing	15-17 Sep 14	Jagdalpur
19.	Management of PWD Scheme	15-19 Sep 14	Bhopal
20.	Induction Phase-II	15-26 Sep 14	Ahmedabad
21.	Induction Phase- I	15-26 Sep 14	Bhopal
22.	Induction Phase - I	15- 26 Sep 14	Bilaspu
23.	CATIA Basic	22-26 Sep 14	Goa
24.	Disaster Management and Mitigation Techniques (For Faculty)	22-26 Sep 14	Nasik
25.	ToT for Entrepreneurship Development	22-26 Sep 14	Bhopalr
26.	LINUX Server Administration	22-26 Sep 14	Bhopal
27.	Virtual Instrumentation & Circuit Simulation Using LABVIEW & MULTISIM	22-26 Sep 14	Bhopal
30.	CNC Programmimg and Simulation	06-10 Oct 14	Bhopal
32.	Stress Management at Work Place	06-10 Oct 14	Pune
33.	Work Ethics, FRSR, CCS Rules RTi, ACRs and AAR in collaboration with Goa State Civil service Officers	06-10 Oct 14	Goa
34.	Work Ethics, Motivational Climate and Attitude Development	06-10 Oct 14	Jagdalpur
28.	Induction Phase- II	06- 17 Oct 14	Bilaspur
29.	Induction Phase- I	06-17 Oct 14	Bhopal
31.	Induction Phase-I	06-17 Oct 14	Bhopal
35.	CAD using Uni-graphics	13-17 Oct 14	Bhopal
36.	Creativity and Innovations	13-17 Oct 14	Bhopal
37.	Micro Finance, Financial Inclusion and Financial Development	13-17 Oct 14	Bhopal
38.	Knowledge Management and ICT in Technical Education	13-17 Oct 14	Bhopal
39.	Innovations in Classroom Teaching	13-17 Oct 14	Bhopal
40.	Provisions of Sexual Harassment of Women at Work Place (Prevention, Prohibition and Redressal) Act 2013 in collaboration with SAAD AANGAN	13-17 Oct 14	Goa
41.	Curriculum Implementation & Assessment of Students	27-31 Oct 14	Bhopal
42.	Industrial Automation and Robotics	27-31 Oct 14	Pune
43.	Dynamic Website Designing	27-31 Oct 14	Pune
44.	Intellectual Property Right	27-31 Oct 14	Ahmedabad
45.	Design and Development of Dynamic Website Using PHP and MYSQL	03-14 Nov 14	Bhopal
46.	Induction Phase- I	03- 14 Nov 14	Baroda
47.	Induction Phase-II	03- 14 Nov 14	Bhopal
48.	Induction Phase-II	03- 14 Nov 14	Bhopal
49.	3D Animation	03-14 Nov 14	Goa
50.	Effective Curriculum Implementation	10-14 Nov 14	Bhopal
51.	Advanced Teaching Methods	10-14 Nov 14	Bhopal
52.	Developing Entrepreneurship Skills in Students	10-14 Nov 14	
53.	Advances in Civil Engineering and Allied	10-21 Nov 14	Ahmedabad
54.	Industry Institute Partnership Disciplines	10-14 Nov 14	Pune
55.	Improving Interpersonal Skills	17-21 Nov 14	Bhopal
56.	Research Methodology and Statistics	17-21 Nov 14	Bhopal
57.	Advance Wireless Communication	17-21 Nov 14	Pune
58.	Structural Design Using STAAD PRO	17-21 Nov14	Pune
59.	Computer Networking Using Windows Server	17-21 Nov 14	Aurangabad
60.	Research Methodology for Educational Media	17-28 Nov 14	Bhopal
61.	Quality Management Systems - TQM, Six Sigma, Kaizen, 5S and 4P	17-28 Nov 14	Bhopal
62.	Industrial Safety and Hazard Management	17-21 Nov 14	Bhopal
63.	Enterprise Resource Planning	24-28 Nov 14	Bhopal
64.	Special Electrical Machines and Control	17-21 Nov 14	Bhopal
65.	Induction Phase - I	24 Nov- 05 Dec 14	Bhopal
66.	Advance in Mechanical Engineering and Allied Disciplines	24 Nov -5 Dec 14	Ahmedabad
67.	Research Methodology	17-21 Nov 14	Goa

मुख्य संरक्षक : प्रो. अमिताभ घोष, संरक्षक : प्रो. विजय अग्रवाल, निदेशक, संपादक : प्रो. पी.के. पुरोहित
सहसंपादक : श्री एस.एस. अस्थाना, छायांकन : श्री रितेन्द्र पवार

आन्तरिक वितरण हेतु तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित